

हरियाणा के इतिहास का आधुनिकीकरण

सुनीता पुरोहित, शोधार्थी (इतिहास), जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)

सारांश

हरियाणा का इतिहास प्राचीन सभ्यताओं, मध्यकालीन राजनीतिक परिवर्तनों, औपनिवेशिक शासन तथा स्वतंत्रता के बाद हुए सामाजिक-आर्थिक विकास की विविध प्रक्रियाओं से निर्मित हुआ है। आधुनिक काल में शिक्षा, परिवहन, संचार, कृषि, औद्योगिकीकरण, नगरीकरण और प्रशासनिक संस्थाओं के विकास ने हरियाणा के सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में व्यापक परिवर्तन किए। विशेष रूप से हरित क्रांति ने कृषि उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान की, जबकि औद्योगिकीकरण और नगरीकरण ने रोजगार, जीवन-शैली तथा सामाजिक संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव उत्पन्न किए। राज्य के गठन के बाद प्रशासनिक एवं राजनीतिक संस्थाओं के विस्तार ने आधुनिक हरियाणा के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य हरियाणा के इतिहास में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया का ऐतिहासिक विश्लेषण करना तथा इसके सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रभावों को समझना है। अध्ययन में परंपरागत ग्रामीण समाज और आधुनिक विकास प्रक्रियाओं के बीच उत्पन्न अंतर्संबंधों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह शोध इस तथ्य को रेखांकित करता है कि हरियाणा का आधुनिकीकरण केवल आर्थिक विकास की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, नई संस्थाओं के विकास और बदलती जीवन-शैली की व्यापक ऐतिहासिक प्रक्रिया है।

मुख्य शब्द (Keywords): हरियाणा का इतिहास, आधुनिकीकरण, सामाजिक परिवर्तन, हरित क्रांति, औद्योगिकीकरण, नगरीकरण, ग्रामीण समाज, राजनीतिक परिवर्तन, आधुनिकता